(e) During 1995-96, the season-wise ECA allocation and availability of urea was as under:—

(In lakh tonnes)

ECA allocation		Availability
ECA allocation		Availability
Kharif '95	96.61	97.27
Rabi '95-96	108.42	112.99
Kharif '95	96.61	97.27
Rabi '95-96	108.42	112.99

Statement

(Figures in 000 MTS)
Urea

s. No	States	Availability Kharif 19% (upto 10.8.96)
1.	Andhra Pradesh	734.02
2.	Kamataka	406.28
3.	Kerala	56
4.	Tamil Nadu	248.21
5.	Gujarat	400.83
6.	Madhya Pradesh	438.26
7.	Maharashtra	738.41
8.	Rajasthan	340.76
9.	Goa	1.90
10.	Haryana	432.56
11.	Himachal Pradesh	19.84
12.	Jammu & Kashmir	35.38
13.	Punjab	757.75
14.	Uttar Pradesh	1666.20
15	Delhi	5.63
16.	Bihar	502.54
17.	Orissa	183.31
18.	West Bengal	341.58
19.	Assam	28.38
20.	Manipur	14.91
21.	Meghalaya	0.86
22.	Nagaland	0.70
23.	Sikkim	0.40
24.	Tripura	5.96
25.	Arunachal Pradesh	0.02
26.	Mizoram	0.12
27.	Others	31.49
	Total:	7392.52

मध्य प्रदेश में मारे गए हाथी

2691. श्री दिलीप सिंह जूदेव: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केन्द्रीय प्रायोजित हाथी परियोजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश में वर्ष 1993-94 से 1995-96 के दौरान प्रतिवर्ष कुल कितने जंगली हाथियों को पकड़ा गया;

(ख) पकड़े जाने के दौरान अथवा पकड़े गए कितने हाथी मारे गए एवं कितने हाथी विभिन्न अन्य कारणों से मर गए;

(ग) इन हाथियों के मर जाने अथवा मारे जाने के लिए किन-किन व्यक्तियों को दोषी पाया गया और उनके विरुद्ध क्या-क्या कार्यवाही की गइ है; और

(घ) इन मारे गए अथवा मर गए हाथियों से कितनी मात्रा में हाथी दांत की प्राप्ति हुई है और उसका किस ढंग से उपयोग किया गया है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) केन्द्रीय प्रायोजित हाथी परियोजना के तहत मध्य प्रदेश में पकड़े गए जंगली हाथियों की संख्या इस प्रकार है:—

वर्ष	पकड़े गए हाथियों की संख्या
1993-94	10
1994-95	शून्य
1995-96	शून्य

(ख) राज्य वन विभाग द्वारा पकड़े गए 13 हाथियों जिनमें हाथी परियोजना के तहत 10 हाथी भी शामिल है, में से तीन बन्दीस्थिति में मरे। इसके अलावा पकड़ते हुए एक मादा मर गई थी।

(ग) ऊपर (ख) में बताए गए हाथियों की मृत्यु के बारे में किसी को जिम्मेवार नहीं ठहराया गया। अतः किसी व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही करने का प्रश्न ही नहीं उठता।

(घ) प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार पकड़ा गया 22.550 कि.ग्रा. हाथी दांत मध्य प्रदेश राज्य वन विभाग की अभिरक्षा में रखा गया है।